



आरती कुंजबिहारी की (Aarti Kunj Bihari Ki – lyrics)



॥ आरती कुंजबिहारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

गले में बैजंती माला,
बजावै मुरली मधुर बाला ।
श्रवण में कुण्डल झलकाला,
नंद के आनंद नंदलाला ।
गगन सम अंग कांति काली,
राधिका चमक रही आली ।
लतन में ठाढ़े बनमाली
भ्रमर सी अलक,
कस्तूरी तिलक,
चंद्र सी झलक,
ललित छवि श्यामा प्यारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
कनकमय मोर मुकुट बिलसै,
देवता दरसन को तरसैं ।
गगन सां सुमन रासि बरसै ।
बजे मुरचंग,
मधुर मिरदंग,
ग्वालिन संग,

अतुल रति गोप कुमारी की,
श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

जहां ते प्रकट भई गंगा,
सकल मन हारिणि श्री गंगा ।
स्मरन ते होत मोह भंगा
बसी शिव सीस,
जटा के बीच,
हरै अघ कीच,
चरन छवि श्रीबनवारी की,
श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

चमकती उज्ज्वल तट रेनू,
बज रही वृंदावन बेनू ।
चहुं दिसि गोपि ग्वाल धेनू
हंसत मृदु मंद,
चांदनी चंद,
कटत भव फंद,
टेर सुन दीन दुखारी की,
श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥

आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
आरती कुंजबिहारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥



II Aarti Kunj Bihari Ki II

Aarti Kunj Bihari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Gale Mein Baijanti Mala,
Bajave Murali Madhur Bala ॥
Shravan Mein Kundal Jhalakala,
Nand Ke Anand Nandalala ॥
Gagan Sam Ang Kanti Kali,
Radhika Chamak Rahi Aali ॥
Latan Mein Thaare Banamali,
Bhramar Si Alak,
Kasturi Tilak,
Chandra Si Jhalak,
Lalit Chhavi Shyama Pyari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Kanakmay Mor Mukut Bilasai,
Devata Darshan Ko Tarsai ॥
Gagan Son Suman Rasi Barsai ॥
Baje Murachang,
Madhur Miradang,
Gwalin Sang,
Atul Rati Gop Kumari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Jahan Te Prakat Bhai Ganga,
Sakal Man Harini Shri Ganga ॥
Smaran Te Hot Moh Bhanga,
Basi Shiv Sees,

Jata Ke Beech,
Harai Agh Kich,
Charan Chhavi Shri Banwari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Chamakti Ujjwal Tat Renu,
Baj Rahi Vrindavan Benoo ॥
Chahu Disi Gopi Gwal Dhenoo,
Hansat Mridu Mand,
Chandani Chand,
Katat Bhav Phand,
Tere Sun Deen Dukhari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Aarti Kunj Bihari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Aarti Kunj Bihari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Aarti Kunj Bihari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥

Aarti Kunj Bihari Ki,
Shri Giridhar Krishna Murari Ki ॥



Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati: chalisapdf.net